Foreign Tourists in Kashmir

3208. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) the steps taken by Government to popularise Kashmir again for foreign tourists; and

(b) the response received so far during the current season?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI OMAK APANG): (a) The measures taken to popularise tourism in Kashmir include (a) extending financial assistance to restore tourist attractions and infrastructure facilities, (b) revival of tourism industry through various relief measures, (c) publicity about Tourism in J&K etc. During the year 1997-98, the Ministry of Tourism sanctioned financial assistance of Rs. 293.35 lakhs for the implementation of 10 projects including upgradation of Tourist Reception Centres at Srinagar and Jammu, Yatri Niwas at Patnitop, Yatrika at Budha Amarnath, Tourist Huts at Pahalgam and Gulmarg, beautification of Mughal Garden Shalimar, Srinagar, beautification of Mughal Garden, Nishan, Srinagar and repair and maintenance of chair lift at IISM Gulmarg.

(b) According to estimates available from the State Government, a total of 11185 tourists visited Kashmir Valley during January to May, 1998.

दुर्लभ पर्यटक स्थलों को लोकप्रिय बनाना

3209. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में अनेक दर्शनीय, दुर्गम तथा दुर्लभ ऐतिहासिक स्थलों के होने के बावजूद, विदेशी पर्यटकों को इन स्थलों की ओर आकर्षित नहीं किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने भारतीय संस्कृति तथा सभ्यता के इन दर्शनीय, ऐतिहासिक स्थलों से विश्व को परिचित करवाने के लिए कोई योजना तैयार की है; और

(ग) यदि हां, तो तसंबंधी योजना का ब्यौरा क्या है और इस योजना के अंतर्गत कौन-कौन से पर्यटक स्थल शामिल किए गए हैं?

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ओमाक अपांग): (क) जी, नहीं। वर्ष 1997 के दौरान भारत आए विदेशी पर्यटकों की संख्या में वर्ष 1996 की तुलना में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

(ख) और (ग) भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय-प्रिंट और इलैक्ट्रानिक मीडिया में विज्ञापनों, ब्रोशरों और वीडियो कैसेटों के माध्यम से सूचनाओं के प्रसार, "भारत को जानो" शीर्षक के संगोष्ठियों के आयोजनों तथा यात्रा विषयक बाजारों में भागीदारी के द्वारा विदेश स्थित अपने 17 पर्यटक कार्यालयों के माध्यम से भारत को एक पर्यटक गंतव्य स्थल के रूप में संवर्धित करने में लगा है। सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के पर्यटक स्थलों को उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार मुख्य बाजारों में अवस्थित किया गया है तथा इन स्थानों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और सभ्यता को दर्शाने वाले इन ऐतिहासिक स्थलों पर पर्यटक आगमन में वृद्धि के लिए वार्षिक आधार पर विपणन योजनाएं बनाई जाती हैं।

Tourism Potential in Hatkoti Area of Himachal Pradesh

3210. SHRI SURYABHAN PATIL VAHADANE: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the tourism potential in the Hatkoti area of Himachal Pradesh;

(b) if so, whether Government will include Durga Hatkoti Temple in Shimla District of Himachal Pradesh for development for tourism purpose;

(c) if so, the details thereof; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI OMAK APANG): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Recognising the tourism potential of Hatkoti area in Himachal Pradesh, the Union Ministry of Tourism provided financial assistance to the State